

migrant families, the pace of resettlement in Andaman and Nicobar Islands is dependent on a number of important factors which have to be taken into account.

भारतीय राजदूतावासों में हिन्दी टाइपिस्टों का न होना

1422. डा० लोकेश चन्द्र : क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) कितने भारतीय राजदूतावासों में हिन्दी टाइपराइटिंग की सुविधा नहीं है; और

(ख) सरकार ने इस संबंध में क्या कार्य वाही की है ?

†[Indian Embassies without Hindi typists]

1422. DR. LOKESH CHANDRA: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) the number of Indian Embassies where there is no facility for Hindi typewriting; and

(b) if so, what action Government have taken in this regard?

विदेश मंत्रालय में उपमंत्री (श्री विपिनपाल दास) : (क) और (ख) निम्नलिखित भारतीय मिशनो को हिन्दी टाइपराइटर दिए गए हैं। हेग, काठमांडु, लंदन, मारिशस, मास्को, न्यूयार्क, पीकिंग, सुवा, टोकियो, ट्रिनिडाड। अन्य मिशनो में भी हिन्दी टाइपराइटर देने का इरादा है, लेकिन किफायत को ध्यान में रखकर प्रथमिकता वहां दी जाती है उन्हें उनकी मांग और अधिकाधिक प्रयोग की गुंजाइश हो।

†[THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI BIPINPAL DAS): (a) and (b)-Hindi typewriters have been provided to the following Indian Missions: The Hague, Kathmandu, London, Mauritius, Moscow, New York, Peking, Suva, Tokyo, Trinidad. It is proposed to provide such typewriters to other Missions also. But bearing in mind consideration of economy, priorities are being accorded where there is demand and scope for their optimum use.]

भारतीय मिशनो में हिन्दी जानने वाले, अधिकारी

1423. डा० लोकेश चन्द्र : क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारतीय राजदूतावासों में ऐसे राजपत्रित अधिकारियों की संख्या कितनी है, जिन्हें हिन्दी में काम करने का ज्ञान प्राप्त है;

(ख) अपनी बातचीत के दौरान सामान्य तौर पर हिन्दी अथवा किसी अन्य क्षेत्रीय भाषा का प्रयोग करने वाले अधिकारियों की संख्या कितनी है; और

(ग) क्या सरकार ने सभी राजदूतावासों को अपने सरकारी कार्यों में हिन्दी अथवा किसी अन्य भारतीय भाषा का प्रयोग करने के लिए बल देकर कहा है ?